



Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मंत्र एवं आरती ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मंत्र एवं आरती ॥

जन्माष्टमी के अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण की पूजा के दौरान मंत्र जाप, स्तुति और आरती का विशेष महत्व माना जाता है। भक्त मध्यरात्रि में श्रीकृष्ण के जन्म के समय इन मंत्रों का जाप करके आराधना कर सकते हैं।

श्रीकृष्ण मूल मंत्र

“ॐ नमो भगवते वासुदेवाय।”

यह भगवान श्रीकृष्ण का प्रमुख मंत्र है। पूजा के दौरान श्रद्धापूर्वक इसका जाप किया जा सकता है।

श्रीकृष्ण ध्यान मंत्र

“ॐ कृष्णाय नमः।”

भगवान श्रीकृष्ण का ध्यान करते हुए इस मंत्र का जाप करें।

श्रीकृष्ण गायत्री मंत्र

“ॐ देवकीनन्दनाय विद्महे

वासुदेवाय धीमहि।

तन्नो कृष्णः प्रचोदयात्॥”

अर्थ: हम देवकीनन्दन भगवान श्रीकृष्ण का ध्यान करते हैं। वे वासुदेव के पुत्र हैं। भगवान श्रीकृष्ण हमारी बुद्धि को सद्मार्ग की ओर प्रेरित करें।

गोपाल मंत्र

“ॐ गोपीजनवल्लभाय नमः।”

यह मंत्र भगवान श्रीकृष्ण के प्रेममय एवं गोपाल स्वरूप का स्मरण करते हुए जाप किया जा सकता है।